

मथुरा हेरटिज कॉरडोर परियोजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या और **काशी** के बाद अब **मथुरा में हेरटिज कॉरडोर** बनाने का नरिणय लया है ।

मुख्य बढु

■ कॉरडोर के बारे में:

- इसका मुख्य उद्देश्य **पर्यटन** को बढावा देना और कषेत्रीय कनेक्टवलिटी को बेहतर बनाना है ।
- इसके लयि **यमुना एकसप्रेसवे** से बांके बहारी मंदरि को जोडने के लयि 6 कर्मी. लंबा मर्नी लकि एकसप्रेसवे बनाया जाएगा, जसिसे मथुरा और उसके आसपास के कषेत्रों में यात्रा अधकि सुगम और सुलभ होगी ।
- कॉरडोर में कन्वेशन सेंटर, कला संस्थान, **योग और प्राकृतकि चकितिसा केंद्र**, अस्पताल, रसॉर्ट तथा इलेक्ट्रकि बस डपों जैसे महत्त्वपूर्ण नरिमाण होंगे ।
- यह मथुरा को न केवल आध्यात्मकि स्थल के रूप में, बल्क सांस्कृतकि और स्वास्थ्य पर्यटन के लयि भी प्रमुख केंद्र बनाने सहायक होगा ।

मथुरा के बारे में

■ परचिय:

- मथुरा ज़ला, जो आगरा मंडल में स्थतल है, **यमुना नदी** के कनारे बसा हुआ है ।
- इस ज़लि की सीमाएँ उत्तर-पूरव में अलीगढ़, दकषणि-पूरव में हाथरस, दकषणि में आगरा, पश्चमि में राजस्थान और उत्तर-पश्चमि में हरयाणा से मललती हैं ।
- मथुरा एक प्रमुख हदू तीरथ स्थल है और इसे भगवान कृषण का जन्मस्थान और गृहनगर माना जाता है ।

■ इतहास:

- मथुरा का सबसे पुराना उल्लेख भारतीय महाकाव्य रामायण में है । इसमें मथुरा को मधुपुर या मधुदानव का नगर कहा गया है तथा यहाँ लवणासुर की राजधानी बताई गई है ।
- छठी शताब्दी ईसा पूरव में मथुरा **शूरसेन साम्राज्य** की राजधानी बन गई ।
- तीसरी शताब्दी ईसा पूरव में **मेगस्थनीज** ने मथुरा का उल्लेख "मेथोरा" नाम से कया था ।
- कृषाणों ने मथुरा को अपनी राजधानी बनाया । **कृषाण साम्राज्य** के तहत मथुरा में कला और संस्कृतिका उत्कर्ष हुआ ।

■ मथुरा रफाइनरी

- यह इंडयिनऑयल की छठी रफाइनरी है, जसि 1982 में 6.0 MMTPA क्षमता के साथ देश के उत्तर-पश्चमि कषेत्र में पेट्रोलयिम उत्पादों की बढती मांग को पूरा करने के लयि शुरू कया गया था ।

■ राष्ट्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान: मखदूम, मथुरा में स्थतल है ।

■ एक ज़ला एक उत्पाद: सैनटिरी फटिगि

■ दर्शनीय स्थल

- मथुरा संग्रहालय
- कृषण जन्म भूमि
- द्वारकाधीश मंदरि
- बाँकेबहारी मंदरि
- गोवर्धन

